फरिश्तो की हिफाजत और शैतान की नाकामी

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे
भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

चौबीस घटे मे बीस फरिश्ते इन्सान की हिफाजत करते हे
एक-एक नेकी के बदले दस-दस गुनाह फरिश्ते मिटा देता हे
शैतान की नाकामी
शैतान इन्सान की नाक मे रात गुजारता हे

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

चौबीस घटे मे बीस फरिश्ते इन्सान की हिफाजत करते हे

अल्लाह का इरशाद हे
तरजुमा- हर शख्स की हिफाजत के लिये फरिश्ते मुकरर हे जिनकी बदली होती रहती हे कुछ उस्के आगे कुछ उस्के पीछे कि वो अल्लाह के हुकम से उसकी हिफाजत करते हे. (बयानुल कुरान)

एक फरिश्ता तेरे सर के बाल थामे हुवे हे, जब तू अल्लाह के लिये तवाज्जु करता हे तो वो तुझे बुलन्द करता हे और जब तू सरकशी और तकब्बुर करता हे तो वो तुझे अजिजी करता हे और दो फरिश्ते तेरे

होटो पर हे जो दुरूद तू मुझ पर पढता हे उसकी वो हिफाजत करते हे, एक फरिश्ता तेरे मुह पर खडा हे कि कोई साप वगैरे जेसी चीझ तेरे हलक मे ना चली जाये, और दो फरिश्ते तेरी आखो पर हे, और एक फरिश्ता तेरे आगे और एक फरिश्ता तेरे पीछे और एक फरिश्ता तेरे सीधे कंधे पर और एक फरिश्ता तेरे उलटे कंधे पर ये दस फरिश्ते हर आदम के बेटे (इन्सान) के साथ हे फिर दिन के अलग हे, और रात के अलग हे, इस तरह हर शख्स के साथ बीस फरिश्ते अल्लाह की तरफ मुवाककल हे (रखवाले). (तफसीर इबने कसीर)

एक-एक नेकी के बदले दस-दस गुनाह फरिश्ते मिटा देता हे

नबी करीमﷺ ने इरशाद फरमाया जब इन्सान सोता हे तो फरिश्ता शैतान से कहते हे मुझे अपना सहीफा जिसमे इसके गुनाह लिखे हुवे हे दे, वो दे देता हे, तो एक एक नेकी के बदले दस दस गुनाह वो इसके सहीफे से मिटा देता हे, और इन हे नेकीयो मे बदल देता हे. तो तुम्मे से जो भी सोने का इरादा करे तो ३३ मरतबा सूबहानल्लाह, ३३ मरतबा अलहमदु लिल्लाह, ३४ मरतबा अल्लाहू अकबर कहे, ये मिलकर १०० हो गये. (तफसीर इबने कसीर)

शैतान की नाकामी

इमाम अहमद बिन हमबल (रह) के साहबजादे अब्दुल्लाह और सालिह कहते हे कि जब हमारे वालिद का आखिरी वकत आया तो बहुत कसरत से यू कहने लगे कि अभी नही अभी नही, हमने कहा कि अब्बा जान ऐसे वकत मे आप क्या अलफाज बोल रहे हे, फरमाया मेरे बच्चे इस वकत इबलीस घर के कौने मे दांतो मे उंगली दबाये खडा हुवा कह रहा हे, ये अहमद तुम मुझसे बच कर जा रहे हो, मे उस से कह रहा हू कि ये मलऊन अभी नही अभी नही, यानी जब तक मेरे जिस्म से रूह कलिमा पर परवाज नही कर जाती कुछ कहा नही जा सकता, जैसा कि बाज हदीसो मे आया हे कि इबलीस ने कहा ये परवरदिगार तेरी इज्जत और तेरे जलाल की कसम जब तक आपके बन्दो की रूहे उन्के जिस्मो मे बाकी हे, मे उनको बराबर गुमराह करता रहूंगा, इस पर अल्लाह ने इरशाद फरमाया मेरी इज्जत और मेरे जलाल की कसम जब तक मेरे बन्दे मुझसे मगफिरत तलब करते रहेंगे मे भी बराबर उनको बख्शता रहूंगा.

शैतान इन्सान की नाक मे रात गुजारता हे

एक हदीस मे इसकी ताकीद आई हे जब सुबह जाग

कर वुज़ू करो तो तीन मरतबा नाक मे पानी डाल कर जरूर जाड लिया करो, इसकी वजह ये हे कि शैतान इन्सान की नाक के बासे मे रात गुजारता हे, उसमे पेशाब और नापाकी करता हे, और जब सोने के बाद इन्सान उठता हे तो नाक के अंदर मेल कुचेल भरा हुवा मिलता हे, उसमे शैतान की नापाकी के असरात होते हे, जब वुज़ू मे नाक अच्छी तरह जाड ली जायेगी तो शैतान के असरात साफ हो जाते हे.

हजरत अबु हूरेरा (रदी) से रिवायत हे नबी करीमﷺ ने इरशाद फरमाया तुम मे से कोई निंद से जाग कर वुज़ू करे तो जरूर तीन मरतबा नाक जाडले, इसलिये कि शैतान इसकी की नाक के बासे मे रात गुजारता हे. (बुखारी)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.